

उत्तराखण्ड में सोपस्टोन खनन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय ने **सर्वतः संज्ञान** लिया और उत्तराखण्ड के बागेश्वर ज़िले में **सोपस्टोन खनन** को वनियमित करने में वफिल रहने के लिये अधिकारियों की आलोचना की।

मुख्य बटु

- पर्यावरणीय चिंता:
 - भूमि अवतलन:
 - उत्तराखण्ड में **भू-धँसाव** एक गंभीर समस्या है, जो बागेश्वर के कांडा-कन्याल जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में खनन गतिविधियों के कारण और भी गंभीर हो गई है।
 - खनन कार्य, **मृदा अपरदन**, संसाधनों का नष्टिकार और **भूकंप** इस समस्या को बढ़ाते हैं।
 - ढलान अस्थिरता:
 - नचिली ढलानों पर खनन से **संरचनात्मक अखंडता दुर्बल होती है**, जिससे ऊपरी ढलानों पर स्थिति गंवा प्रभावति होते हैं।
 - **दोमट और ढीली मृदा से कटाव की संभावना बढ़ जाती है**, विशेषकर मानसून के दौरान।
 - अपर्याप्त सुरक्षा उपाय:
 - हरति पट्टियों, अवरोधक दीवारों, बफर जोन, ढलान नगरानी और सुरक्षात्मक संरचनाओं का अभाव कटाव को बढ़ाता है।
 - **जल और वायु प्रदूषण:**
 - खनन गतिविधियों के कारण क्षेत्र में **जल की कमी, प्रदूषण और वायु प्रदूषण** होता है।
 - सांस्कृतिक चिंताएँ:
 - पारंपरिक वास्तुकला पर प्रभाव:
 - भूमि धँसने से **कुमाऊँनी बाखली आवास स्थानों को नुकसान पहुँचा है**, जो ऐतिहासिक रूप से भूकंपरोधी क्षमता रखते थे।
 - वरिसत को क्षति:
 - सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व के **10वीं सदी के स्थल कांडा में कालिका मंदिर के फर्श में दरारें खनन से संबंधति गरिवट का संकेत देती हैं।**
 - **लोक संगीत, नृत्य और हस्तशिल्प** सहति क्षेत्र की सांस्कृतिक प्रथाएँ भी प्रभावति होती हैं।
 - प्रशासनिक चूक:
 - राज्य और केंद्र सरकारें **"अर्द्ध-यंत्रिकृत खनन"** को परभाषति करने में वफिल रहीं, फरि भी उन्होंने ऐसी गतिविधियों के लिये पर्यावरणीय मंजूरी दे दी।
 - स्पष्ट नीतित सीमाओं के बनिा भारी उपकरणों के उपयोग से स्थिति और खराब हो गई है।

सोपस्टोन

- सोपस्टोन एक नरम रूपांतरति चट्टान है जो टेलक तथा **क्लोराइट, डोलोमाइट और मैग्नेसाइट** की भिन्न-भिन्न मात्राओं से बनी होती है।
- उपयोग:
 - सोपस्टोन का उपयोग इसकी स्थायति और सौंदर्य अपील के कारण उद्योगों में **मूर्तियाँ, काउंटरटॉप्स, सकि और टाइलें बनाने के लिये व्यापक रूप से कथिा जाता है।**
 - इसकी उत्कृष्ट ऊष्मा प्रतरीधकता के कारण इसका उपयोग **स्टोव, फायरप्लेस और प्रयोगशाला काउंटरटॉप्स में कथिा जाता है।**
 - **पसिा हुआ सोपस्टोन कागज, सौंदर्य प्रसाधन और पेंट में भराव के रूप में काम आता है।**
 - इसका उपयोग **बर्तन, हस्तशिल्प और मूर्तियाँ बनाने के लिये भी कथिा जाता है।**
- भारत में उपलब्धता:
 - **भारतीय खान बयुरो** के अनुसार, **राजस्थान (57%) और उत्तराखण्ड (25%) में महत्त्वपूर्ण भंडार हैं।**
 - **राजस्थान:** सबसे बड़ा उत्पादक, विशेष रूप से उदयपुर, डूंगरपुर और भीलवाड़ा क्षेत्र में।
 - **उत्तराखण्ड:** बागेश्वर, पथौरागढ़ और अलमोडा ज़िलों में उल्लेखनीय जमा।
 - **तमलिनाडु और कर्नाटक:** यहाँ भी छोटे भंडार मौजूद हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/soapstone-mining-in-uttarakhand>

